परमेश्वर का भेद

प्रकाशितवाक्य 10:7

विषय सूची

2 अलौकिक

8 न्याय

12 नाम

16 बाद का जीवन

22 मूल पाप

28 प्रभु का भयानक दिन

34 वचन

www.सन्देश.com

or

Voice OF GOD RECORDINGS

No 28, Shenoy Road,

Nungambakkam, Chennai 600 034, India

क्या परमेश्वर अब भी सामर्थी कार्यो को
करता है, जैसे उसने बाइबल में किए?

क्या आपने कभी अपने आप से पूछा
क्यो आपको बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है?

क्योंकि आप एक कलीसिया के सदस्य हैं,
क्या इसका यह अर्थ है कि आप बच गए?

वास्तव में अदन की वाटिका में सर्प और स्त्री के
बीच क्या घटित हुआ?

क्या आपको मालूम है बाइबल प्रतिज्ञा करती है कि
परमेश्वर के भेद इन अन्त के दिनों में खुल जायेंगे?

यह समय है कि भेद संसार पर खुले और प्रगट हो,
क्या आप परमेश्वर के सच्चे वचन को सुनने के इच्छुक हैं?

परन्तु सातवें स्वर्ग दूत के तुरही फूकने पर होने वाले शब्द के दिनों में परमेश्वर का **गुप्त मनोरथ** उस सुसमाचार के अनुसार जो उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया पूरा होगा। प्रकाशितवाक्य 10:7

अलौकिक

यूहन्ना 14:12

मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा वरन इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।

मरकुस 16:17-18

विश्वास करने वालों में यह चिन्ह होंगे; कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेगे नई–नई भाषा बोलेंगे;

सांपों को उठा लेंगे; और यदि वे प्राणनाशक वस्तु भी पी जाये तो भी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जायेंगे।

हम सब बाइबल के पन्नों को पलट सकते हैं और देखते हैं कि परमेश्वर ने आश्चर्यकर्म किये: मूसा ने लाल सागर को दो भाग कर दिया, एलिय्याह ने अकाल बुलाया, यीशु पानी पर चला और उसके चेलों ने बीमारों को चंगा किया।

यहां बाइबल में हजारों आश्चर्यचकित करने वाली घटनाये लिखी हुई हैं। यही परमेश्वर चिन्ह और चमत्कारों की गवाही रखता है, तो फिर आज उसके आश्चर्यकर्म कहाँ हैं? क्या वह कैंसर को चंगा कर सकता है, जैसे उसने बाइबल में कोढ़ को चंगा किया? एड्स और मलेरिया के विषय में क्या है? क्या वह अब भी आश्चर्यकर्म कर सकता है? जी हां, परमेश्वर अब भी आश्चर्यकर्म और इन चिन्हों को जो विश्वासी से होते हैं, करता है।

अब, मित्रों देखिये, इग्लैंड के राजा जोर्ज पर सोचे, जब वह स्कलेशंसिस की बीमारी से चंगा हुआ, जब हमने उसके लिये प्रार्थना की थी, फ्लोरेस नाईटिंगगेल के विषय में सोचिये (उसकी दादी, जिसने रेडक्रोस कि स्थापना की) वह लगभग साठ पौण्ड की थी, और छोटी आंत के कैंसर से पलंग पर लेटी हुई, मर रही थी, एक छोटी पिण्डुकी झाड़ी की ओर उड़ी और परमेश्वर का आत्मा आया और बोला, 'यहोवा यों कहता है, की वह जीयेगी, ' और आज उसका वजन एक सौ पचास पौण्ड है अच्छे स्वास्थ के साथ है।

कांग्रेस मैन अपशो के विषय में सोचिए वर्षों–वर्षों कुर्सी और पलंग से लगा हुआ था और क्षणभर के समय में अपने पैरों पर खड़ा हो गया सारे भवन में भागता फिरा, अपने पंजो को छुआ बिल्कुल ठीक सामान्य और स्वस्थ के साथ था।

उन हजारों हजार लोगों के विषय में सोचो जो चंगे किये गए, क्यों हम यहां जब तक मर नहीं जाते, बैठे है? आईये, इस विषय में हम कुछ करें।

यदि आप बीमार या आवश्यकता में हैं, तो विश्वास करे, बाइबल कहती है, कि यीशु मसीह कल, और आज, और युगानुयुग एक सा है। इसलिए यदि वह दो हजार वर्ष पहले योग्य था, कि आश्चर्यकर्म करे तो फिर वह आज भी वही करने में योग्य है। उसने हमे प्रतिज्ञा दी है कि हम चंगे हो गये है। यदि हम केवल विश्वास करे।

विलियम डी. अपशौ ने अमरीका की लोकसभा में आठ वर्ष सेवा की और 1932 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे। बालक अवस्था में खेत में दुर्घटना से लकवाग्रस्त हो गये और उन्होंने 66 वर्ष या तो बैसाखी या पहिये वाली कुर्सी में बिताये। 1951 में वे पूरी रीति से स्वस्थ हो गये और अपने बाकी जीवन में बिल्कुल सही प्रकार से चलते फिरते रहे।

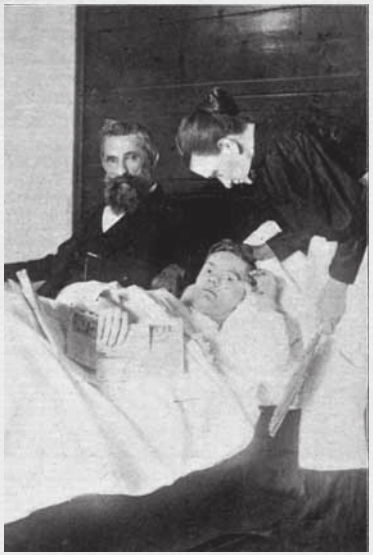

फ्लोरेस नाईटिंगगेल उस मशहूर नर्स की दूर की रिश्तेदार थी उसकी पेट की आंत में कैंसर था। उसने अपना यह चित्र प्रार्थना निवेदन के लिए भेजा था, इसके पहले कि कैंसर उसका जीवन ले लेता। जैसा कि आप देख सकते हैं वह मृत्यु के समीप थी इसके पहले यीशु मसीह ने उसे 1950 में चंगा कर दिया, और अगला चित्र उसकी चंगाई के पश्चात लिया गया और एक गवाही के रूप में कि परमेश्वर अब भी बीमारों को चंगा करता है भेजा गया।

ट्रिस ग्रीफिन, 2013 के आरम्भ में डॉक्टर के पास पीछे पीठ दर्द के कारण गयी, जिसके लिए वह डरी हुई थी कि यह कैंसर से युद्ध की दुबारा शुरूआत हो सकती है एम.आर.आई ने उसके हृदय में "एंरोटिक डाईसेकशन" दर्शाया जिससे डॉक्टर को और आगे जांच करने कि अगुवाई हुई और आपात कालीन ऑपरेशन के लिए अगला दिन ठहराया गया। हृदय में से होती हुई रेखा, निश्चय ही एक दरार है जिसका अर्थ होगा एक जल्द और लगभग निश्चित मृत्यु है, यदि फट जाये।

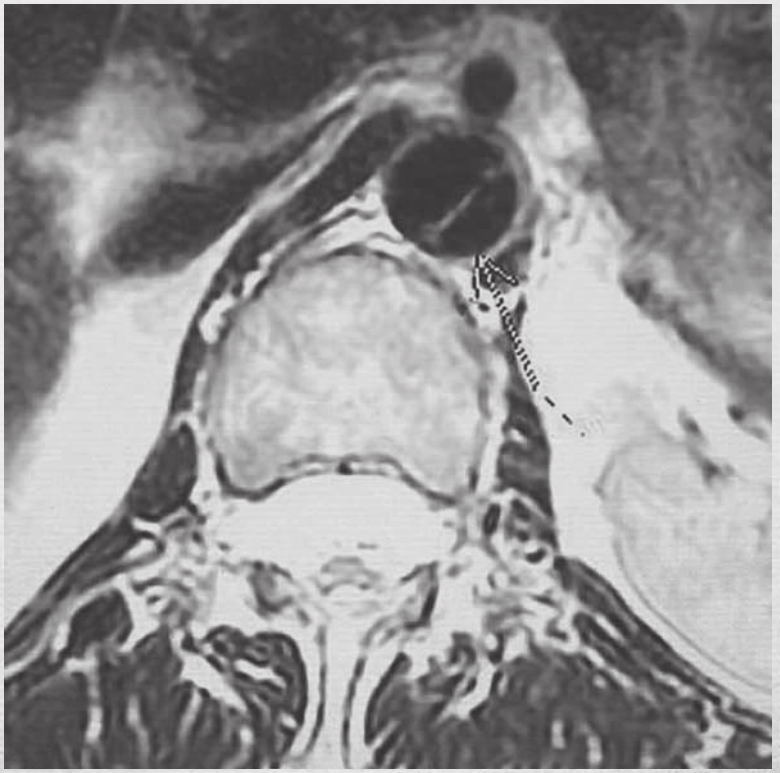

अगले दिन, जब विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना की डॉक्टर ने उस दरार की स्थिति को निश्चित करने के लिए दूसरा सी.टी.स्केन किया, इसके पहले कि ऑपरेशन करे इस बार चित्र में बिल्कुल स्वस्थ हृदय दिखाई पड़ा, असंमजस में शल्य चिकित्सक ने श्रीमती ग्रीफिन को बताया, "मुझे नहीं मालूम कि मैं आपको क्या बताऊँ आपकी धमनी दो भागों में बटी थी, परन्तु अब सारे प्रमाण समाप्त हो गये हैं, उसने प्रार्थना से पहले का चित्र दिखाया, और फिर बाद का आप जाने के लिए स्वतंत्र हैं और वैसे, ना ही कैंसर का कोई चिन्ह नहीं है, आप पूरी रीति से स्वस्थ हैं।"

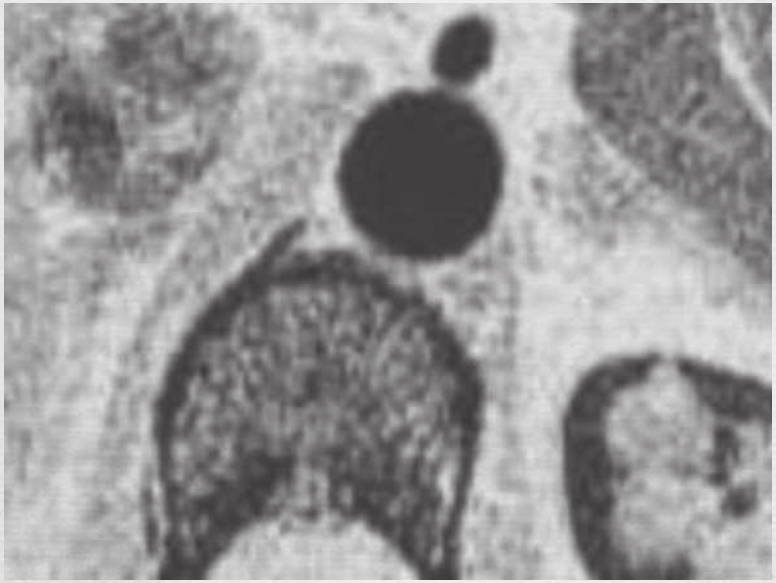

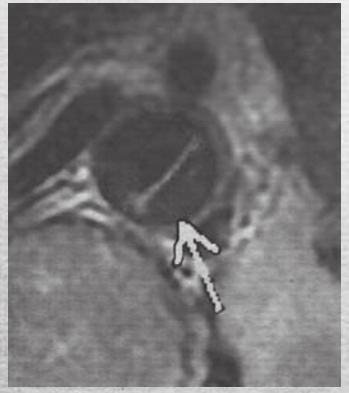

(बांय) डॉक्टर का तीर उस धमनी की ओर संकेत कर रहा है, जो कि गहरे रंग के बीच में गोल चित्र है, तिरछी रेखा जो बीच में एनियूरिसम या "दो भाग" है, धमनी के, जिसके लिए तुरन्त ऑपरेशन की आवश्यकता है, यदि फट जाये तो मुत्यु है। (ऊपर) अगले दिन दूसरा स्केन लिया गया हो दो भाग पूरी रीति से गायब हो गये और फिर नहीं हुआ।

सन्दर्भ

भजन संहिता 103:2-3

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह; और उसके किसी उपकार को ना भूलना,
वही तो तेरे सारे अधर्म को क्षमा करता है और ***तेरे सब रोगों को चंगा करता है;***

यशायाह 53:5

परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी कि ***उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गये।***

मरकुस 16:17

विश्वास करने वालों में यह चिन्ह होंगे *कि वे मेरे नाम से दुष्ट आत्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे;*

लूका 17:6

मैं तुम से सच सच कहता हूँ ***कि जो प्रभु पर विश्वास रखता है,*** *यह काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा वरन् इन से भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।*

यूहन्ना 14:12

मैं तुम से सच, सच, कहता हूँ कि ***जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा,*** *वरन इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।*

1 थिस्सलुनीकियों 1:5

क्योंकि हमारा सुसमाचार तुम्हारे पास ना केवल शब्द मात्र ही नहीं ***वरन सामर्थ*** *और पवित्रआत्मा में और बड़े निश्चय के साथ पहुंचा है, जैसा तुम जानते हो कि हम तुम्हारे बीच में कैसे बन गये थे।*

इब्रानियों 2:3-4

तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिन्त रह कर कैसे बच सकते हैं? जिसकी चर्चा पहले पहल प्रभु के द्वारा हुई, और सुनने वालों के द्वारा हमें इसका निश्चय हुआ, और सुनने वालों के द्वारा हमें इसका निश्चय हुआ
और साथ ही परमेश्वर भी अपनी इच्छा के अनुसार चिन्हों और अद्भूत कामों *और नाना प्रकार के सामर्थ के कामो ओर पवित्रआत्मा के वरदानों के बाटने के द्वारा इसकी गवाही देता रहा।*

इब्रानियों 13:8

यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एक–सा है।

याकूब 5:15

और विश्वास की प्रार्थना के द्वारा रोगी बच जायेगा *और प्रभु उसको उठा कर खड़ा करेगा, और उसने पाप भी किये हो तो उनकी भी क्षमा हो जायेगी।*

1 पतरस 2:24

वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया। जिससे हम पापो के लिए मर कर धार्मिकता के लिए जीवन बिताएं ***उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए।***

न्याय

भजन संहिता 96:13

यह यहोवा के सामने हो, क्योंकि वह आने वाला है, वह पृथ्वी का न्याय करने को आने वाला है, वह धर्म से जगत का और सच्चाई से देश–देश के लोगों को न्याय करेगा।

आज संसार में हजारों विभिन्न नामधारी है प्रत्येक धर्म दूसरे को दोषी ठहराता है। तौभी वे सब अपने नामधारी के द्वारा उद्धार की प्रतिज्ञा करते हैं, हम कैसे जाने की किसको चुने?

यह हम केथोलिक कलीसिया को चुनते हैं तो संतों को बिचावाई को स्वीकार करना होगा, जो कि मूर्ती से प्रार्थना करने से अधिक नहीं है, बाइबल कहती है, "क्योंकि एक ही परमेश्वर है, परमेश्वर और मनुष्य के बीच एक बिचवाई है, वह मनुष्य मसीह "यीशु" (1तिमु 2:5) पादरी "पिता" कहलाता है, जिसे यीशु के द्वारा मना किया गया है, मत्ती 23:9 में, "और पृथ्वी पर किसी मनुष्य को अपना पिता न कहना क्योंकि तुम्हारा एक ही पिता है जो स्वर्ग में है।" एसेम्बली ऑफ गॉड हमे बताते हैं कि अन्य भाषा में बोलना पवित्रआत्मा का

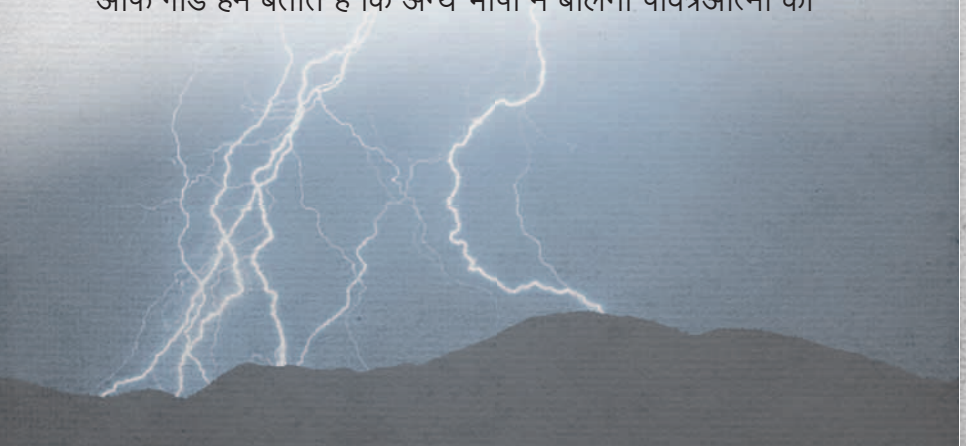

आरम्भिक प्रमाण है, जब पौलूस ने कहा, "यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलिया बोलू और प्रेम ना रखू तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल और झनझनाती हुई झांझ हूँ।" (1 कुरन्थियों 13:1)

लगभग सारे नामधारी हमें बताने के लिए तत्पर रहते हैं, कि बहुत सी बातों का बाइबल में गलत अनुवाद है, और अनुवाद में लुप्त हो गई या आज के संसार में लागू नहीं होती इसलिए क्या हमें बाइबल का या नामधारी शिक्षा का विश्वास करना चाहिए? परमेश्वर न्याय के मापदण्ड के लिए क्या प्रयोग करेगा?

यदि आज रात में यहाँ कैथोलिक से पूछना चाहूँगा, "आप क्या सोचते है कि परमेश्वर संसार का न्याय किसके द्वारा करेगा? " कैथोलिक कहते हैं, "कैथोलिक की कलीसिया के द्वारा।" ठीक है अब कौन सी कैथोलिक कलीसिया? अब उनमें रोमन, ग्रीक ऑर्थोडिक्स और उनमें से बहुत से कौन सी कैथोलिक बाहर निकल गये और फिर यदि हम कहते हैं, "बेपटिस्ट के द्वारा।" तो फिर आप पेंटीकोस्टल बाहर निकल गये। इसलिए वहाँ ऐसी गड़बड़ होगी कोई नहीं जान पायेगा कि क्या करे। इसलिए उसने कभी यह प्रतिज्ञा नहीं की वह जगत का न्याय कलीसिया के द्वारा करेगा।

उसने जगत का न्याय मसीह के द्वारा करने की प्रतिज्ञा की है, और मसीह वचन है और बाइबल ही है, जिससे वह संसार का न्याय करेगा जो कि यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।

सन्दर्भ

यूहन्ना 1:1

आदि में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था।

यूहन्ना 1:14

और वचन देहधारी हुआ; *और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच डेरा किया और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसे परमेश्वर के एकलौते पुत्र की महिमा।*

यूहन्ना 5:22

पिता किसी का न्याय नही करता, ***परन्तु न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंप दिया है।***

यूहन्ना 12:48

जो मुझे तुच्छ जानता है और मेरी बाते ग्रहण नहीं करता है, उसको दोषी ठहराने वाला तो एक है अर्थात ***जो वचन मैंने कहा है*** *वही पिछले दिन में उसे दोषी ठहरायेगा।*

इफिसियो 1:5-7

और अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के अनुसार हमें अपने लिए पहले से ठहराया कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हो
कि उसके अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो, जिसे उसने हमें उस प्रिय में सेंतमेंत दिया। ***हमको उसने उसके लहू के द्वारा छुटकारा अर्थात अपराधो कि क्षमा उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।***

इफिसियो 2:5-8

जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो हमें मसीह के साथ जिलाया (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है;)
और यीशु मसीह में उसके साथ उठाया और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया:
कि वह अपनी उस कृपा से जो मसीह यीशु में हम पर है आनेवाला समयो में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।
क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है और यह तुम्हारी ओर से नहीं वरन परमेश्वर का दान है।

1 यूहन्ना 1:7

पर यदि जैसा वह ज्योति में है वैसे ही हम भी ज्योति में चले तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं ***और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।***

प्रकाशितवाक्य 22:18-19

मैं हर एक को जो इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूं, कि यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए, तो परमेश्वर उन विपत्तियों को जो इस पुस्तक में लिखीं हैं, उस पर बढ़ाएगा:
और यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन के पेड़ और पवित्र नगर में से जिस की चर्चा इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा।

नाम

मरकुस 16:16

जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास ना करेगा वह दोषी ठहराया जायेगा।

प्रेरितों के काम 2:38

पतरस ने उन से कहा, मन फिराओं और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो तुम पवित्रआत्मा का दान पाओगे।

स्पष्ट रूप से बपतिस्मा बहुत ही आवश्यक चीज है, क्या इससे कुछ अन्तर पड़ता है कि हमने कैसे बपतिस्मा लिया है? क्या कोई सही बपतिस्मा है या कुछ भी चलेगा? यदि आप बाइबल का विश्वास करते हैं तो हाँ एक सही बपतिस्मा है।

अधिकांश कलीसियाये पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा देती है परन्तु बाइबल के अनुसार यह सही नहीं है।

प्रेरितों के काम 19 वहाँ कुछ लोग थे जो पहले ही यीशु मसीह पर विश्वास करते थे, परन्तु अब तक उन्होंने पवित्र आत्मा अपने हृदयों में नहीं पाया था, प्रेरित पौलूस पवित्र आत्मा पाने का सही मार्ग जानता था इसीलिए उसने उन से पूछा, "तुमने किसका बपतिस्मा लिया?" और उन्होंने कहा, "यूहन्ना का बपतिस्मा।" (प्रेरितों के काम 19:3) पौलूस ने देखा की उन्होंने पतरस की आज्ञानुसार बपतिस्मा नहीं लिया था जो प्रेरितों के काम 2:38 में है, इस पर उसने उन्हें आज्ञा दी कि उनका फिर से प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया जाये, तब जैसा कि प्रतिज्ञा है उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।

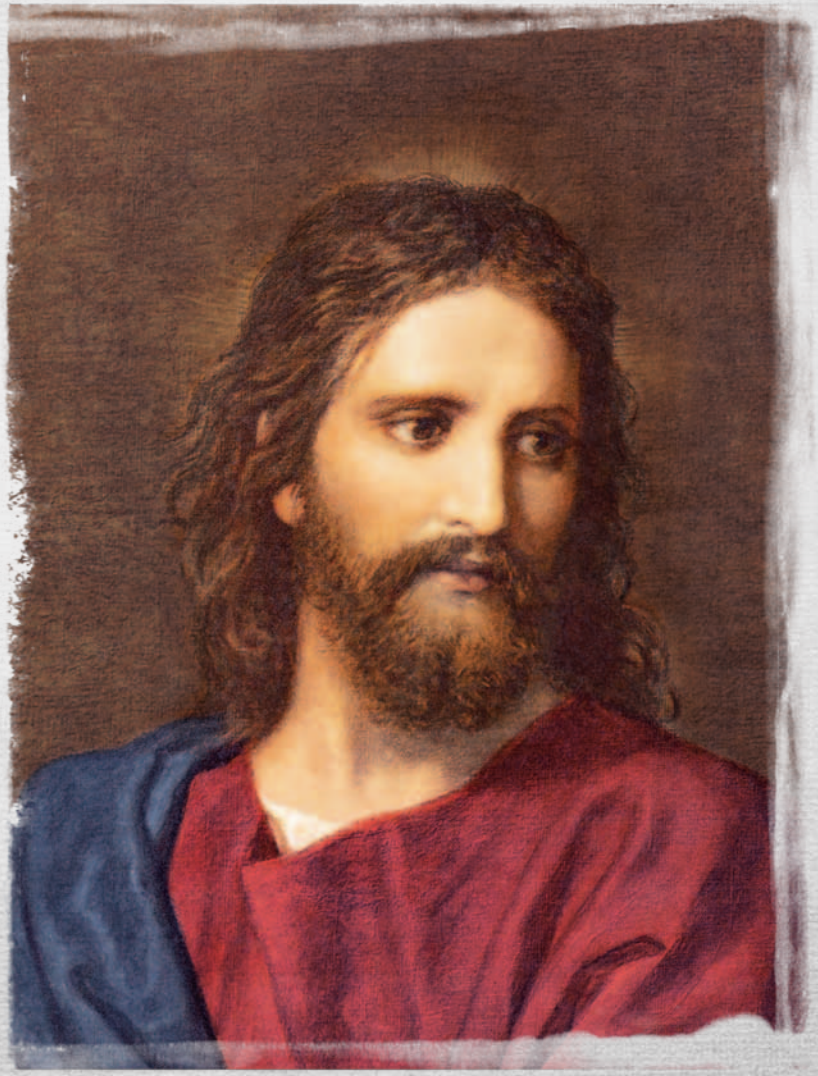

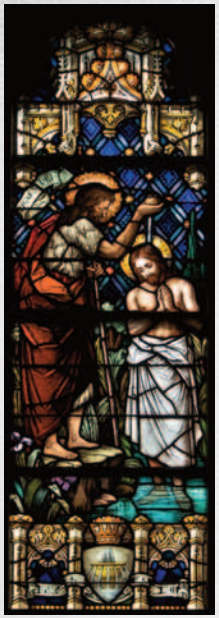

इसलिए क्यों चेलो ने यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया जब की यीशु ने स्वयं उन से **नाम** में बपतिस्मा देने को कहा (नामो में नहीं) पिता के, पुत्र के और पवित्र आत्मा के? (मत्ती 28:19) क्या उन्होंने गलती कर दी? नहीं! उन्होंने ठीक वही किया जिसकी उन्हें आज्ञा मिली थी।

जैसा कि आप इस लेख में पढ़ते हैं, अपने नाम के विषय में सोचे क्या आप एक पुत्र है? क्या आप एक मां हैं? क्या आपका नाम 'मां' है? निःसन्देह नही, ये तो साधारण से उपनाम है आपका एक वास्तविक नाम है और ऐसे ही परमेश्वर का

यहां इसका उत्तर है:

और बाइबल में ऐसा कुछ नहीं है कि कभी किसी का पिता, पुत्र, पवित्रआत्मा के नाम में बपतिस्मा हुआ हो, क्योंकि ऐसा कुछ है ही नहीं, पिता कोई नाम नहीं है, और पुत्र कोई नाम नहीं है, पवित्रआत्मा कोई नाम नहीं है, परन्तु पिता, पुत्र, पवित्रआत्मा का नाम प्रभु यीशु मसीह है।

यीशु मसीह परमेश्वर है! वह पिता है, पुत्र है और पवित्रआत्मा है।

यदि आप पवित्रआत्मा की खोज में हैं और आश्चर्य करते हैं कि प्रभु ने आपको अब तक क्यों नहीं दिया, और तब आप अपने आप से भी यही प्रश्न पूछ सकते हैं, जो पौलूस ने पूछा, "तो फिर तुमने किस का बपतिस्मा लिया?"

सन्दर्भ

मत्ती 28:19

*इसलिए तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रआत्मा के **नाम** से बपस्तिमा दो।* [पिता का नाम क्या है ? पुत्र का नाम क्या है ? पवित्रआत्मा का नाम क्या है ?]

मरकुस 16:16

जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास ना करेगा वह दोषी ठहराया जायेगा।

यूहन्ना 5:43

मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते, [यदि अन्य कोई अपने ही नाम से आये तो उसे ग्रहण कर लोगे?]

यूहन्ना 10:30

मैं और पिता एक हैं।

यूहन्ना 12:45

और जो मुझे देखता है वह मेरे भेजने वाले को देखता है।

यूहन्ना 14:8-9

फिलिप्पुस ने उस से कहा, हे प्रभु पिता को हमें दिखा दे यही हमारे लिये बहुत है

*यीशु ने उससे कहा, **हे फिलिप्पुस मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हूँ और क्या तू मुझे जानता? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है** तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा?*

यूहन्ना 20:27-28

तब उसने थोमा से कहा, अपनी उंगली यहां ला कर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ ला कर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो।

*यह सुन थोमा ने उत्तर दिया, **हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर!***

प्रेरितो के काम 2:38-39

*पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ और तुम से हर एक अपने अपने पापों कि क्षमा के लिए **यीशु मसीह के नाम से** बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्रआत्मा का दान पाओगे।*

क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारी सन्तानों और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिए भी है जिनको हमारा प्रभु परमेश्वर अपने पास बुलायेगा।

प्रेरितो के काम 4:12

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नही, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नही दिया गया जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।

प्रेरितो के काम 8:12

*परन्तु जब उन्होंने फिलिप्पुस का विश्वास किया तो परमेश्वर के राज्य और **यीशु के नाम का** सुसमाचार सिखाता था तो लोग क्या पुरुष क्या स्त्री बपतिस्मा लेने लगे।*

प्रेरितो के काम 19:3-6

उसने उनसे कहा, तो फिर तुमने किसका बपतिस्मा लिया? उन्होंने कहा यूहन्ना का बपतिस्मा।

पौलूस ने कहा, यूहन्ना ने यह कह कर मन फिराव का बपतिस्मा दिया कि जो मेरे बाद आने वाला है, उस पर अर्थात यीशु पर विश्वास करना,

*यह सुन कर उन्होंने प्रभु **यीशु के नाम में** बपस्मि लिया*

जब पौलूस ने उन पर हाथ रखे तो पवित्रआत्मा उन पर उतरा और वे भिन्न भिन्न भाषा बोलने और भविष्यवाणी करने लगे।

इफिसियो 4:5

*एक ही प्रभु है एक ही विश्वास, **एक ही बपतिस्मा।***

कुलुस्सियो 3:17

*वचन में या काम में जो कुछ भी करो सब प्रभु **यीशु के नाम से** करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो।*

1 यूहन्ना 5:7

*क्योंकि तीन है जो स्वर्ग में गवाही रखते हैं पिता, वचन और पवित्रआत्मा और यह तीनों एक हैं। पृथ्वी पर गवाही देने वाले तीन हैं, आत्मा, पानी और लहू और **तीनो एक ही** बात पर सहमत है।*

बाद का जीवन

यूहन्ना 5:28-29

इससे अचम्भा मत करो; क्योंकि वह समय आता है कि जितने कब्रों में है, वे उसका शब्द सुनकर निकल आयेगे; जिन्होंने भलाई की है, वे जीवन के पुनरुत्थान के लिए जी उठेगे, और जिन्होंने बुराई की है वे दण्ड के पुनरुत्थान के लिए जी उठेगे।

एक दिन आ रहा है जब हममें से प्रत्येक चाहे मसीही या कोई भी इस बात को ठीक–ठीक जान लेगा, कि समय के पर्दे के पीछे क्या है। बाइबल कुछ लोगों के लिए अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा करती है, कि दूसरों के लिए यह नरक दण्ड की प्रतिज्ञा करती है, पूरे इतिहास में होते हुए, हर मानवजाति, निश्चय ही अपने आप से यह पूछती है, मरने के बाद, मेरा क्या होगा?

बहुत पहले कि बाइबल कभी पढ़ने के लिए होती, अय्यूब भविष्द्वक्ता ने प्रकृति को ध्यान से देखा, उसने वृक्ष की आशा के विषय में बातचीत की, कि कैसे वह काटा जाता और मर जाता है, फिर भी जल कि गंध पाकर वह जीवन में फिर खिलता, और नई कोपले निकालता है, अय्यूब को मालूम था कि मनुष्य वृक्ष के समान है, और वह फिर से जीवन के लिए उठेगा।

यदि मुनष्य मर जाये तो क्या वह फिर जीयेगा? *अपने सारे ठहराये हुए दिनों के लिए मैं प्रतीक्षा करूँगा, जब तक मेरा छुटकारा ना होता।*

तू मुझे बुलाता और मैं बोलता; तुझे अपने हाथ के बनाये हुए काम की अभिलाषा होती।

परन्तु अब तू मेरे पग–पग को गिनता है, क्या तू मेरे पाप की ताक में लगा नहीं रहता? (अय्यूब 14:14–16)

हो सकता है अय्यूब के पास पढ़ने के लिए बाइबल ना हो, परन्तु वह जानता था कि एक दिन परमेश्वर उसे कब्र में से जिला उठायेगा जब मनुष्य जाति का छुड़ाने वाला आता है।

मेरी बाते लिखी जाती! भला होता कि वे पुस्तक में लिखी जाती,

कि वे लोहे कि टांकी और सीसे से वे सदा के लिए चट्टान पर खोदी जाती।

मुझे तो निश्चय है कि मेरा छुडाने वाला जीवित है, और वह अन्त में पृथ्वी पर खड़ा होगा और

अपनी खाल के इस प्रकार नष्ट हो जाने के बाद भी ***मैं शरीर में होकर परमेश्वर का दर्शन पाऊँगा।*** (अय्यूब 19:23–26)

भविष्यद्वक्ता प्रभु यीशु के लिए बोल रहा था और उसके लोगों के पुनरुत्थान के लिए । प्रकाशन से अय्यूब जानता था यद्यपि हमारी देहे पूरी रीति नष्ट हो जाये, यीशु हमारी देह को फिर से ले आयेगा और अपनी ही आंखों से हम उसके आगमन को देखेगे, परमेश्वर के सारे लोग उसके महिमामय दिन को देखने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

फिर भी, जैसे कि निश्चिय रूप से परमेश्वर विद्यमान है, तो एक शैतान भी है; और जैसे कि निश्चिय रूप में स्वर्ग है तो नरक भी है। ज्वाला हमारी कल्पना से भी अधिक है। प्रेरित पौलूस ने कहा 'जो बाते आंखों ने नहीं देखी और कानो ने नहीं सुनी और जो बाते मनुष्य के चित में नहीं चढ़ी वे ही है जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिए तैयार की हैं।' (1 कुर, 2:9)

हमारा दिमाग नहीं समझ सकता कि स्वर्ग कितना बड़ा होगा और ना ही वे नरक कितना भयानक होगा समझ सकते हैं, यीशु ने हमें बताया कि नरक इतना भयानक है कि यह अच्छा होगा कि हम अपने शरीर का अंग काट दे बजाये कि उस भयानक स्थान में जाने का जोखिम उठाये।

यदि तेरा हाथ तुझे ठोकर खिलाये तो उसे काट डाल टुण्डा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिए इस से भी है कि दो हाथ रहते हुए नरक की आग में डाला जाये जो कभी बुझने की नही। (मरकुस 9:43)

इसलिए कौन स्वर्ग में जायेगा ? और कौन नरक में जायेगा? यह एक दुखद विचार है, परन्तु यीशु ने कहा अधिकांश लोग उस पुरस्कार को नहीं लेगे जो वह देना चाहता है; *सकेत फाटक से प्रवेश करो, क्योंकि चैड़ा है वह फाटक और सरल है वह मार्ग जो विनाश को पहुंचाता है; और बहुत से है जो उस से प्रवेश करते हैं, क्योंकि सकेत है वह फाटक और कठिन है वह मार्ग जो जीवन को पहुंचाता* ***है और थोड़े है जो उसे पाते हैं।*** (मत्ती 7:13–14)

यीशु ने यह भी कहा, ***जो मुझ से हे प्रभु! हे प्रभु! कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश ना करेगा,*** *परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेगे,*

"हे प्रभु! हे प्रभु! क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की और तेरे नाम से दुष्टआत्माओं को नहीं निकाला ओर तेरे नाम से बहुत से आश्चर्यकर्म नहीं किए? तब मैं उनसे खुल कर कह दूंगा 'मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करने वालो, मेरे पास से चले जाओ।'" (मत्ती 7:21–23)

बस केवल इसलिए कि व्यक्ति मसीही होने का दावा करता है इसका अर्थ यह नहीं है कि वह बचा हुआ है, इसलिए यह हमारे विचारो में प्रत्यक्ष प्रश्न है: मैं कैसे अनन्त जीवन प्राप्त करु? यीशु ने हमें एक बड़ा साधारण उत्तर दिया: *मैं तुम से सच सच कहता हूँ,* ***जो मेरा वचन सुनकर, मेरे भेजने वाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है*** *और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।* (यूहन्ना 5:24)

दुर्भाग्यवश इस संसार में बहुत थोड़े लोग है, जो अपने व्यस्त दिनों में से थोड़ा समय निकाल कर परमेश्वर का वचन सुनना चाहते हैं और बहुत ही थोड़े लोग है जो सुने हुए वचन का विश्वास करेंगे,

कलीसिया हमे अच्छा मनुष्य बनने के लिए कहती है, अच्छा सोचो, झूठ मत बोलो, बेमानी और चोरी मत करो और हम स्वर्ग में चले जायेंगे। वे नहीं समझते कि नरक भले लोगों से भर जायेगा जो ऐसे प्रतीत होते हैं कि उन्होंने अच्छा जीवन बिताया वास्तविकता यह है कि हम स्वर्ग नहीं जायेंगे, अपने धर्मों के कामों के कारण या हम किसी विशेष कलीसिया के सदस्य है। अनन्त जीवन के लिए केवल एक मार्ग है और वह यीशु मसीह के द्वारा, उसने हमे आदेश दिया है कि हमे उसके वचन का विश्वास करना चाहिए, जो कि बाइबल है। वरना हम कैसे बच सकेंगे?

जब आपके लिए न्याय का दिन आता है, क्या आप सुनेगे *"मेरे पिता के धन्य लोगो, आओ उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जो जगत के आदि से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है।"* (मत्ती 25:34) या क्या आप सुनेंगे, *"हे शापित लोगों, मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ जो शैतान और उसके दूतो के लिए तैयार की गई है"?* (मत्ती 25:41)

जैसे कि आपकी आंखे इन शब्दो को पढ़ती हैं तो आपको चुनाव करना होगाः क्या आप परमेश्वर के वचन को विश्वास करने के लिए चुनेगे?

आप अनन्तता कहाँ बितायेगे?

सन्दर्भ

अय्यूब 14:12-16

वैसे ही मनुष्य लेट जाता और फिर नहीं उठता, जब तक आकाश बना रहेगा वह नहीं जागेगा और ना उसकी नींद टूटेगी।

भला होता तू मुझे अधोलोक में छिपा लेता और जब तक तेरा कोप ठंडा ना हो जाये तब तक मुझे छिपाये रखता और मेरे लिए समय नियुक्त करके फिर मेरी सुधी लेता!

यदि मनुष्य मर जाये तो क्या वह फिर जीवित होगा? जब तक मेरा छुटकारा ना होता तब तक मैं अपनी कठिन सेवा के सारे दिन आशा लगाये रहता।

तू मुझे बुलाता और मैं बोलता तुझे अपने हाथ के बनाये हुए काम की अभिलाषा होती।

परन्तु अब तू मेरे पग पग को गिनता है, क्या तू मेरे पाप की ताक में लगा नहीं रहता?

अय्यूब 19:23-26

भला होता कि बाते लिखी जाती, भला होता कि वे पुस्तक में लिखी जाती!

लोहे की टांकी और सीसे से वे सदा के लिए चट्टान पर खोदी जाती!

मुझे तो निश्चय है कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है और वह अन्त में पृथ्वी पर खड़ा होगा;

और अपनी खाल के इस प्रकार नष्ट हो जो के बाद भी, मैं शरीर में होकर परमेश्वर का दर्शन पाऊँगा।

मत्ती 7:21-23

जो मुझ से हे प्रभु! हे प्रभु! कहता है उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश ना करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता कि इच्छा पर चलता है।

उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेंगे, 'हे प्रभु! हे प्रभु! क्या हमने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की और तेरे नाम से दुष्टत्माओं को नहीं निकाला और तेरे नाम से बहुत से आश्चर्य कर्म नहीं किए ? '

तब मैं उनसे खुलकर कह दूंगा, 'मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करने वालो मेरे पास से चले जाओ।'

मत्ती 22:14

क्योंकि बुलाये हुए तो बहुत है परन्तु चुने हुए थोड़े हैं।

यूहन्ना 3:16-17

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा, प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट ना परन्तु अनन्त जीवन पाये।

परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत मे इसलिए नहीं भेजा कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे परन्तु इसलिए कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाये।

यूहन्ना 5:24

मैं तुम से सच-सच कहता हूँ जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले पर विश्वास करता है अनन्त जीवन उसका है और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका।

1 कुरन्थियो 2:9

परन्तु जैसा लिखा है जो बाते आंखो ने नहीं देखी और कान ने नहीं सुनी और जो बाते मनुष्य के चित में नहीं चढ़ी, वे ही है जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिए तैयार की हैं।

1 थिस्सलुनीकियो 4:13-18

हे भाईयो हम नहीं चाहते कि तुम उनके विषय में जो सोते हैं अज्ञानी रहो ऐसा ना हो कि तुम दूसरो के समान शोक करो जिन्हें आशा नहीं।

क्योंकि यदि हम प्रतीति करते हैं, कि यीशु मरा, और जी भी उठा, तो वैसे ही परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं, उसी के साथ ले आएगा।

क्योंकि हम प्रभु के वचन के अनुसार तुम से यह कहते हैं, कि हम जो जीवित हैं, और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे तो सोए हुओं से कभी आगे न बढ़ेंगे।

क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा, उस समय ललकार और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा और परमेश्वर कि तुरही फूंकी जायेगी और जो मसीह में मरे हैं वे पहले जी उठेंगे।

तब हम जो जीवित ओर बचे रहेंगे, उनके साथ बादलो पर उठा लिए जायेंगे कि हवा में प्रभु से मिले और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।

इस प्रकार इन बातों से एक दूसरे को शान्ती दिया करो।

मूल पाप

उत्पत्ती 3:1

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाये थे, उन सब में सर्प धूर्त था, उसने स्त्री से कहा क्या सच है कि परमेश्वर ने कहा तुम इस वाटिका के किसी वृक्ष का फल ना खाना?

उत्पत्ती 3:6-7

अतः जब स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने के लिए अच्छा और देखने में मनभाऊ है और बुद्धी देने के लिए चाहने योग्य भी है, तब उसने उसमें से तोड़कर खाया। और अपने पति को भी दिया और उसने भी खाया।

तब उन दोनों कि आंखे खुल गई और उनको मालूम हुआ कि वे नंगे हैं, इसलिए उन्होंने अंजीर के पत्ते जोड़–जोड़ कर लंगोट बना लिए।

उत्पत्ती 3:14-15

तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा तू ने जो यह किया है इसलिए तू सब घरेलू पशुओं और बनैले पशुओ से अधिक शापित है; तू पेट के बल चला करेगा और जीवन भर मिट्टी चाटता रहेगा।

और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूँगा; वह तेरे सर को कुचल डालेगा और तू उसकी एड़ी को डसेगा।

यह बाइबल में पाप का पहला अभिलेख है, सर्प सारे पशुओं में धूर्त था उसने हवा को मना किए फल को खाने के लिए बहकाया। उसने यह खाया और फिर अपने पति को दिया, जिस से उन्हें अनुभव हुआ कि वे नंगे हैं।

प्रश्न स्पष्ट हैः सर्प कैसे बात कर सकता है? नंगे होने से सेब का क्या वास्तव है? और इस सारे प्रकरण में सर्प वंश कहां सही बैठता है?

बाइबल कहती है सर्प सबसे अधिक "धूर्त" था, सारे पशुओं में वह मनुष्य के समान था जो चलता बात करता और यहां तक की बुद्धी की बाते करता आदम की पत्नी को बहकाने के बाद, परमेश्वर ने उसे सांप होने के लिए श्रापित कर दिया, परन्तु क्षति करने से पहले नहीं और बीज बो दिया गया।

बाइबल उत्पत्ति 3:15 में कहती है, कि सर्प का भी वंश है और परमेश्वर ने दोनों के बीच शत्रुता डाली है। स्पष्ट है कि सर्प का बीज हवा के स्वभाविक बीज के साथ मिलाया गया इसके पहले कि अलग किया जाये सेव के खाने से इस प्रकार का परिणाम कैसे हो सकता है? तब फिर कुछ पदो के बाद *"आदम ने अपनी पत्नी का नाम*

हवा रखा; क्योंकि वह सब प्राणियों की माता थी।" ध्यान दे कि इसने यह नहीं कहा कि आदम सारे प्राणियों का *पिता* था।

कुछ भिन्न प्रकार के "फल" बाइबल में हैं। निःसंदेह स्वभाविक फल जैसे सेब है, यह उगाया और खाया जाता है। एक और भी फल है, जिसका उल्लेख हमारे कामों के लिए किया जाता है, चाहे यह शारीरिक कार्य जैसे कि खेती और व्यापार करना या आत्मिक कार्य जैसे आश्चर्यकर्म और सुसमाचार प्रचार करना, इसके बाद गर्भ का फल, जिसे गर्भ और बालक के जन्म के सन्दर्भ में करते हैं।

क्या स्वभाविक फल खाने के द्वारा आदम और हवा को यह समझ मिली होगी, कि वे नंगे हैं? या यह शारीरिक सम्बन्ध पुरुष और स्त्री के बीच की उन्हें समझ मिले, कि क्यों उन्हें शरीर के किसी विशेष भाग को छिपाना चाहिए?

वास्तव में उस दिन अदन कि वाटिका में क्या घटित हुआ जो सारी मानव जाति के गिरने का कारण हुआ?

> *जैसा कि स्त्री का बीज वस्तुतः परमेश्वर का स्वयं को मानव देह में उत्पन्न करने के लिए था। इसलिए सर्प का बीज सही में उसने वह मार्ग पा लिया, कि वह द्वार, कि वह अपने आप को मनुष्य जाति में लाने योग्य हो जाये। शैतान के लिए यह असम्भव था (क्योंकि वह तो आत्मा में ही* ***उत्पन्न*** *किया गया एक जीवन था) कि वह अपने आप को उत्पन्न करे उसी प्रकार से जैसे परमेश्वर स्वयं को फिर से उत्पन्न करे, इसलिए उत्पत्ती का वृतांत हमें बताता है कि उसने अपना बीज कैसे उत्पन्न किया और मिलाया या अपने आपको कैसे मानव जाति में घुसा लिया। यह भी याद दिलाता है कि शैतान सर्प कहलाता है यह उसका बीज है या अपने आपको मानव जाति में घुसाया जिसकी हम बात कर रहे हैं।*

> *इसके पहले कि कभी आदम को हवा का, शारीरिक ज्ञान होता, सर्प को यह बात उससे पहले मालूम थी और वह जो उससे जन्मा* ***कैन*** *था।* ***कैन*** *उस दुष्ट (जन्मा, प्रजात हुआ) से था। 1 यूहन्ना 3:12*
>
> *सारे मामले की सच्चाई यह है कि* ***हवा*** *के गर्भ में* ***दो*** *पुत्र थे। (जुड़वा)* ***अलग–अलग*** *गर्भाधानों से वह जुड़वा के साथ थी, कैन का गर्भाधान हुआ इसके पहले की हाबिल का होता।*

सन्दर्भ

उत्पत्ती 3:6-7

अतः जब स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने के लिए अच्छा और देखने में मनभाऊ और बुद्धि देने के लिए चाहने योग्य भी है, तब उसने उसमें से तोड़ कर खाया और अपने पति को भी दिया और उसने भी खाया।

तब उन दोनों कि आंखे खुल गई ***और उनको मालूम हुआ कि वे नंगे हैं****, इसलिए उन्होंने अंजीर के पत्ते जोड़ कर लंगोट बना लिए।*

[फल का टुकड़ा खाने से वे कैसे जानेगे कि वे नंगे थे]

उत्पत्ती 3:13-15

तब यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा 'तूने यह क्या किया है? ' स्त्री ने कहा ***'सर्प ने मुझे बहका दिया****, तब मैंने खाया।'*

तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा, 'तूने जो यह किया है इसलिए तू सब घरेलू पशुओं और सब बनैले पशुओं से अधिक शापित है, तू पेट के बल चला करेगा और जीवन भर मिट्टी चाटता रहेगा।'

और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करुंगा*, वे तेरे सिर को कुचल डालेगा और तू उसकी ऐड़ी को डसेगा।*

[सर्प का एक बीज था स्पष्ट है यह सांप के संदर्भ में नहीं है]

उत्पत्ती 3:20

आदम ने अपनी पत्नी का नाम हवा रखा, क्योंकि ***जितने जीवित मनुष्य है उन सब की आदि माता वही हुई।***

[क्योंकि आदम सारे जीवतो का पिता नही कहलाया]

उत्पत्ती 4:1-2

जब आदम अपनी पत्नी हवा के पास गया तब उसने गर्भवती होकर कैन को जन्म दिया और कहा, ***'मैंने यहोवा की सहायता से एक पुरुष पाया है।'***

फिर उसने उसके भाई हाबिल को भी जन्म दिया। हाबिल भेड़ बकरियों का चरवाहा बन गया, परन्तु कैन भूमी पर खेती करने वाला किसान बना।

[सारे जीवन परमेश्वर की ओर से आते हैं, वह चाहे वैध हो या अवैध हो, शैतान जीवन की सृष्टी नहीं कर सकता]

लूका 3:38

और वह एनोश का ***वह और शेत का और वह आदम का*** *और वह परमेश्वर का पुत्र था।*

[आदम की वंशावली में पहले जन्मा कैन कहां है?]

1 यूहन्ना 3:12

और ***कैन के समान ना बने जो उस दुष्ट से था*** *और जिसने अपने भाई को घात किया और उसे किस कारण घात किया? इस कारण कि उसके काम बुरे थे और उसके भाई के काम धर्म के थे।*

[परमेश्वर ने आदम को अपने स्वरूप में बनाया तो फिर कैन कि दुष्टता कहां से आयी और धर्मी हाबिल कहां से आया? उनके गुण उन्हें अपने पिताओं से मिले।]

यहूदा 1:14

हनोक ने भी जो ***आदम से सातवी पीढ़ी में*** *था, इनके विषय में भविष्यवाणी की 'देखो प्रभु अपने लाखों पवित्रों के साथ आया'*

[बाइबल में कहीं भी कैन आदम की वंशाली में नहीं है]

प्रभु का भयानक दिन

मलाकी 4:1

क्योंकि देखो, वह धधकते भट्टे का सा दिन आता है...

मलाकी 4:5-6

देखो, यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा।

वह माता पिता के मन को उनके पुत्रो की ओर और पुत्रों के मन को उनके माता पिता की ओरे फेरेगा; ऐसा ना हो कि मैं आकर पृथ्वी का सत्यानाश करुं।

पुराने नियम की अन्तिम पुस्तक संसार के नाश की प्रतिज्ञा करती है, परन्तु अन्त से पहले ऐलिय्याह नबी के वापस आने की भविष्यवाणी है, और मसीह का परिचय। कुछ कहते हैं, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने भविष्यवाणी को पूरा कर दिया।

दो हजार वर्षों पहले यहूदी मसीह के आगमन की आशा कर रहे थे। वे जानते थे कि मलाकी ने एक मनुष्य कि ऐलिय्याह के आत्मा के साथ भविष्यवाणी की है, जो मसीह का उनसे परिचय करवायेगा। परन्तु जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला आया, तो वह वह नहीं था, जिसकी उन्होंने एलिय्याह होने कि आशा की। जब उन्होंने यीशु से प्रश्न किया कि ऐलिय्याह को क्या पहले नहीं आना था, उसने उन्हें स्पष्ट बता दिया कि यूहन्ना उस भविष्यवाणी का पूरक था "और यदि तुम इसे ग्रहण करो तो यही एलिय्याह है, जो आने वाला था।" (ऐलियास यूनानी नाम का रूप इब्रानी में ऐलिय्याह नाम है)

यह केवल लोगों का एक छोटा झुण्ड था, जिसने यह प्रकाशन ग्रहण किया। उन अधिकांश धर्मी नेताओं के लिए यूहन्ना अति उत्साही उनकी संस्थाओं का आलोचक था। उन्होंने केवल ऐलिय्याह की आत्मा को तो नहीं पहचाना, परन्तु इससे बुरा कि वे मसीह के आगमन को भी चूक गए।

क्या इसी प्रकार यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने मलाकी की भविष्यवाणी को पूरा किया? पर पूरी रीति से नहीं

पहली बात संसार "धधकते भट्ठे के समान" अब भी नहीं जला, इसलिए हम जानते हैं, मलाकी 4 का एक भाग अभी होने को बाकी है, वचन का दूसरा भाग यूहन्ना के द्वारा पूरा नहीं हुआ था, कि, "बालको का मन उनके पूर्वजों कि ओर फेरे।" और यीशु ने स्वयं भविष्यवाणी की है कि एलिय्याह सब बातों को वापस सुधारने के लिए आयेगा। (भविष्यवाणी) (मत्ती 17:11)

इसलिए हमें यीशु मसीह के दूसरे आगमन से पहले एलिय्याह की प्रतीक्षा करनी चाहिए!

अब इस आधुनिक दिन में यीशु मसीह के दूसरे आगमन का समय है। हम से फिर प्रतिज्ञा की गई है, कि ऐलिय्याह का आत्मा उसकी पहचान हम से करायेगा मलाकी 4 के अनुसार। परन्तु लोगों का कौन सा झुण्ड ऐलिय्याह को पहचानेगा, जब वह आता है? केवल वे जो उसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हमारे प्रभु और बचाने वाले के यह शब्द विचारो में आते हैं, जब हम मलाकी की भविष्यवाणी के विषय में इस समय की समाप्ती पर सोचते हैं।

परन्तु मैं तुम से कहता हूँ कि ऐलिय्याह तो आ चुका, और उन्होंने उसे नहीं जाना...

मत्ती 17:12

क्या हो यदि हम एलिय्याह के इस आगमन से चूक जाये? क्या हम मसीह के दूसरे आगमन से चूक जायेंगे, जैसे कि व्यवस्थापक और फरीसी उसके पहले आगमन को चूक गए क्योंकि उन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को नहीं पहचाना?

सन्दर्भ

दूसरा राजा 2:15
उसे देख कर भविष्यद्वक्ताओं के चेले जो यरीहो में उसके सामने थे कहने लगे ***ऐलिय्याह में जो आत्मा थी, वही एलीशा पर ठहर गई है।*** *अतः वह उससे मिलने को आये और उसके सामने तक झुक कर दण्डवत किया।*

यशायाह 40:3-4
किसी की पुकार सुनाई देती है, जंगल में यहोवा का मार्ग सुधारो, हमारे परमेश्वर के लिए अराबा में एक राजमार्ग चौरस करो। हर एक तराई भर दी जाए हर एक पहाड़ और पहाड़ी गिरा दी जाये; जो टेढ़ा है वह सीधा और जो ऊँचा–नीचा है वह चौरस किया जाये [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला]

मलाकी 3:1
देखो में अपने दूत को भेजता हूँ [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला] ***ओर वह मार्ग को मेरे आगे सुधारेगा*** *और प्रभु जिसे तुम ढूंढते हो, वह अचानक अपने मन्दिर में आ जायेगा हां, वाचा का वह दूत जिसे तुम चाहते हो सुनो, वह आता है, सेनाओ के यहोवा का यही वचन है।*

मलाकी 4:1-6
क्योंकि देखो, ***वह धधकते भट्टे का सा दिन आता है*** [यह अभी तक नहीं हुआ] *जब सब अभिमानी और सब दुराचारी लोग अनाज की खूटी बन जायेंगे और उस आने वाले दिन में वे ऐसे भस्म हो जायेंगे कि उनका पता तक नहीं रहेगा, सेनाओ के यहोवा का यही वचन है।*
परन्तु तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य उदय होगा और उसकी किरणों के द्वारा तुम चंगे हो जाओगे और तुम निकल कर पाले हुए बछड़ो के समान कूदोगे और फांदोगे।
तब तुम दुष्टो को लताड़ डालोगे अर्थात मेरे उस ठहराये हुए दिन में वे तुम्हारे पांवो के नीचे की राख बन जायेंगे, सेनाओ के यहोवा का यही वचन है।
मेरे दास मूसा की व्यवस्था अर्थात जो–जो विधी और नियम मैंने सारे इस्रालियो के लिए उसको होरेब में किए थे, उनको स्मरण रखो।
देखो, ***यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा।***
वह ***पूर्वजों के मन को उनके पुत्रों की ओर*** [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला] *और* ***पुत्रों के मन उनके पूर्वजो कि ओर*** [आधुनिक ऐलिय्याह] *फेरेगा ऐसा ना हो कि में आकर पृथ्वी का सत्यानाश करूँ।*

मत्ती 11:10
यह वही है जिसके विषय में लिखा है, देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ जो तेरे आगे मार्ग तैयार करेगा। [मलाकी 3:1, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला]

मत्ती 11:14
और चाहो तो मानो कि ऐलिय्याह जो आने वाला था, वह यही है [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला]

मत्ती 17:11-12
उसने उत्तर दिया, 'ऐलिय्याह अवश्य आयेगा और सब कुछ सुधारेगा' [आधुनिक ऐलिय्याह]
परन्तु मैं तुम से कहता हूँ कि ऐलिय्याह आ चुका है और लोगों ने उसे नहीं पहचाना, परन्तु जैसा चाहा वैसा ही उसके साथ किया इसी रीति से मनुष्य का पुत्र भी उनके हाथ से दुःख उठायेगा [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला]

लूका 1:17
वह ऐलिय्याह की आत्मा और सामर्थ में हो कर उसके आगे आगे चलेगा कि पितरो का मन लड़के बालों की ओर फेर दे; और आज्ञा न मानने वालों को धर्मियों की समझ पर लाए; और प्रभु के लिये एक योग्य प्रजा तैयार करे। [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला]

वचन

इब्रानियों 4:12

क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित और प्रबल और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है और प्राण और आत्मा को और गांठ गांठ और गूदे गूदे को अलग करके आर–पार छेदता है और मन की भावनाओं और विचारो को जांचता है।

आज के इस आधुनिक संसार में बहुत सारी शिक्षाए, नामधारी और मतो के साथ सच्चा विश्वासी कहां ठीक बैठता है? यदि पृथ्वी पर पतरस, याकूब और यूहन्ना होते, तो वे कौन से नामधारी के सदस्य होते? क्या आश्चर्य कर्म उनकी सेवकाई में अब भी होते या वे ये कहते कि वे दिन तो अब बीत गए? क्या वे बपतिस्मे पर समझौता करते? क्या वे अपनी कलीसिया कि शिक्षा का अनुसरण करते, यदि वह वचन से हटी हुई होती? क्या वे बाइबल का विश्वास करते, या वे आज के फरीसियो और सदूकियो का विश्वास करते?

अपने आप से यह प्रश्न पूछे; यदि आज यीशु यहां होता था तो क्या आप उसके पीछे चलने के लिए सब कुछ छोड़ देते? क्या आप उसके वचन का विश्वास करते?

उसने आपको भी वही सौभाग्य दिया है, जो उसने अपने चेलो को दिया उसने अपनी यह छोटी पुस्तिका आपके हाथो में दी है, कि उसके वचन कि ओर फिरने का संकेत करे, उसकी बाइबल। क्या आप समझौता करेंगे?

पुरुषो और स्त्रियो, मित्रो, क्या आप अनुभव करते हैं कि स्वर्ग का परमेश्वर जिसने मसीह यीशु को मरे हुओ में से जिलाया, वह मरा नहीं, परन्तु वह जीवित है। और यदि वह अपने वचन, दाऊद के लिए पूरे करता है, यदि वह ऐलिय्याह के लिए करता है, यदि वह मूसा के लिए करता है, यदि वह हिब्रू बालको के लिए करता है, यदि वह डेनियल के लिए करता है, वह आपके और मेरे लिए भी करेगा।

क्या आप और अधिक जानना चाहेंगे?

www.सन्देश.com

or

Voice Of God Recordings
No 28, Shenoy Road,
Nungambakkam, Chennai 600 034, India

परमेश्वर का भेद

प्रकाशितवाक्य 10:7

www.सन्देश.com

VOICE OF GOD RECORDINGS

INDIA OFFICE

No 28, Shenoy Road,
Nungambakkam, Chennai – 600 034, India

HINDI